

५

ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ

၁၀

五

ଜ୍ଞାନପୁର୍ଣ୍ଣବିଦ୍ୟା

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

23

ऐक्षु के चुप्पो सुने त्रै दूर धृष्णु अहु वृत्ति त्रै दूर धृष्णु विरक्ति असं मृदु वक्तु अवलं

51

ଓঁ শুভ হিংসা প্রতি প্রেরণা